केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण - १

रविवार, ७ मार्च, २०१० **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (६)	
	२ (५)	
	३ (४)	
	४ (४)	
	५ (८)	
	६ (८)	
	७ (७)	
	८ (५)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (८)	
	१२ (५)	
	१३ (८)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१४ (१५)	
विभाग-३, कुल गुण		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना

प्र. १ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए ।
(संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है ।) (कुल गुण : ६)

१. भगवान में मनुष्यभाव देखने से हानियाँ ।
२. भगवान को अरूप कहा जाएगा, इसे ही भगवान के विरुद्ध द्रोह माना जाएगा ।
३. भगवान को सर्वकर्ता-हर्ता जानने की आवश्यकता ।
४. प्रकट भगवान या भगवान के संत द्वारा मोक्ष ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ३ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए । (कुल गुण : ५)

१. 'मैं तो चिरंजीवी हूँ और तुम सबका देहांत पाँच-दस बरस में हो जाएगा ।' गुण : १ [ ]

....

२. 'न तत्समश्चाप्यधिकश्च दृश्यते ।' गुण : १ [ ]

....

३. 'मारुं धाम छे रे, अक्षर अमृत जेनुं नाम ।
तेमां हुं रहुं रे, द्विभुज दिव्य सदा साकार ॥' गुण : १ [ ]

....

४. 'परमेश्वर देश, काल, कर्म और माया की सत्ता को जितना चलने देते हैं, उतनी हद तक ही उनकी गतिविधि रहती है ।' गुण : १ [ ]

....

५. 'ऐसा जो चिदाकाश है, वह अविनाशी है, निर्विकारी है और अनादि है ।' गुण : १ [ ]

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. भगवान साकार कैसे हैं ? गुण : २ [ ]

(१) [ ] ब्रह्मादि सृष्टि साकार है तथा उसके कर्ता परमेश्वर भी साकार ही हैं ।

(२) [ ] साकार रूप का प्रतिपादन श्रुतियों में हुआ है ।

(३) [ ] श्रुतियों ने मायिक करचरणादिक का निषेध किया है ।

(४) [ ] भगवान को तेजपुंजरूपी बताया गया है, ऐसे तेज में मूर्ति हैं ।

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३		प्र-४	

२. 'भगवान सर्वोपरी हैं' यह निष्ठा आवश्यक है । गुण : २ ☐

(१) ☐ भगवान तथा भगवान के साधु में मनुष्यभाव दिखाई देता है, इससे बढ़कर दुनिया में कोई बुरी बात नहीं हैं ।

(२) ☐ श्रीजीमहाराज को पुरुषोत्तम जाने बिना अक्षरधाम में नहीं जा सकते ।

(३) ☐ अन्य अवतार-सदृश जानेगा, तो उसका यह आचरण उस स्वरूप के विरुद्ध द्रोह कहलाएगा ।

(४) ☐ उतना ही आत्मा-अनात्मा का विवेक रहता है ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> प्रसंग का वर्णन कर के उसका सिद्धांत लिखें । (कुल गुण : ४)

१. कोई इस फूल तक नहीं पहुँचता । २. मुक्तानन्द स्वामी को श्रीजीमहाराजने दिखाया हुआ शांति का पथ ।

३. यह तो जोगी की करनी है । मेरे कथन को परिवर्तित करने की शक्ति इनमें ही है ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिद्धांत : .....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. प्रकट की पहचान ही ज्ञान ।

२. उत्पत्ति सर्ग ।

३. गुणातीत संत की महिमा : प्रसिद्ध संत कवियों के पदों में ।

४. उपासना किसे कहते हैं ?

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४ [ ]

(   ) ....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-५	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित किन्हीं <u>दो</u> के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. अपने इष्टदेव के प्रति पतिव्रता का प्रण और अनन्य निष्ठा वही उपासक का सच्चा लक्षण है ।

२. मोक्ष की चाबी केवल गुणातीत परम्परा द्वारा सुरक्षित है ।

३. श्रीजीमहाराज ने परमहंसों को कबूतर के कबूतर कहे ।

४. वाघा खाचर की दृष्टि निरावरण हो गई और परम आनंद की अनुभूति हुई ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ७ उपासना में क्या समझना चाहिए ? और क्या नहीं समझना चाहिए ? उसके आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ७)

(उपासना में क्या समझना चाहिए ?)

१. धाम में जो परब्रह्म .....

.....

.....

.....

..... श्रीजीमहाराज हैं ।

गुण : १	

२. पुरुषोत्तम की .....

.....

.....

.....

.....

..... भिन्न-भिन्न हैं ।

गुण : १	

३. जीव, ...

.....

.....

.....

.....

..... अनादि तत्त्व है । | गुण : १ | |

४. मुक्ति अवस्था में .....

.....

.....

.....

.....

..... सर्वोपरिता हमेशा रहती है । | गुण : १ | |

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ?)

५. शिक्षापत्री .....

.....

..... ऐसा नहीं समझना चाहिए । | गुण : १ | |

६. अकेले अक्षरब्रह्म .....

.....

..... ऐसा नहीं समझना चाहिए । | गुण : १ | |

७. सद्‌गुरु गुणातीतानन्द स्वामी .....

.....

..... ऐसा नहीं समझना चाहिए । | गुण : १ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ टिप्पणी लिखिए । - अक्षर रूप होकर पुरुषोत्तम की उपासना । **(कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८	

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''परमचैतन्यानंद स्वामी को श्रीहरि के लिए निमंत्रण पत्र देकर गढ़डा भेजिए ।'' **अथवा**

२. ''यदि किसीको ये बातें नापसंद हो, तो वे गाँवों में विचरण के लिए जा सकते हैं ।''

(   ) कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३ [ ]

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-९	

३. ''आप मेरे सच्चे सेवक है !'' **अथवा**

४. ''तू तो अभी छोटा हो, प्रभु ने तुझे कितना रूप दिया है! और तुझे यह विचार कहाँ से आ गया !''

( ) कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

५. ''आचार्य ! धीरे धीरे !'' **अथवा**

६. ''ऐसी प्रार्थना आप कब कब किया करते हैं ?''

( ) कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. शिवलाल सेठ ने कहा : 'आप कब आयीं ?' **अथवा**

२. निष्कुलानंद स्वामी गढ़डा गाँव से चले गए ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. आत्मस्वरूप स्वामी को अनुभव हुआ की सत्पुरुष को भाषा के बंधन नहीं होते । **अथवा**

४. इतनी अधिक व्यस्तता के बावजूद प्रमुखस्वामी महाराज सदैव प्रसन्न कैसे रहते हैं ?

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. पर्वतभाई का संतों प्रति प्रेम । **अथवा** २. गोपालानन्द स्वामी का त्याग और वैराग्य ।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४

३. बालकों के स्नेही प्रमुखस्वामी महाराज । **अथवा** ४. प्रमुखस्वामी महाराज का कार्य ।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-११		प्र-१२	

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. रघुवीरजी महाराजने गुणातीतानन्द स्वामी को पेड़ा दिया तब स्वामी क्या बोले ? गुण : १

२. हमारे संनिष्ठ-सच्चे और पक्के सत्संगी पर्वतभाई और गोवर्धनभाई हैं ऐसी बात श्रीजीमहाराज ने किसे कही ? गुण : १

३. सारंगपुर में गोपालानंद स्वामी ने हनुमानजी की मूर्ति की प्रतिष्ठा किस लिए करवाई ? गुण : १

४. प्रमुखस्वामी महाराज ने किस दो गाँव के अपैये छुडवाए ? गुण : १

५. प्रमुखस्वामी महाराज का जन्म कहाँ और कब हुआ ? (संवत्, तिथि) गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१३	

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. निष्कुलानन्द स्वामी के रचे हुए साहित्य । गुण : २

(१) ☐ भक्तिनिधि (२) ☐ निर्णय पंचक

(३) ☐ स्नेहगीता (४) ☐ भगवत्दशम्

२. शिवलाल सेठ की अलौकिक स्थिति । गुण : २

(१) ☐ अरे ! आप कब आयीं ? (२) ☐ मेरे पास यही वस्त्र, गहने हैं ।

(३) ☐ यह हवेली कब हो गई ? (४) ☐ अपने घर कितना आयेगा ?

३. स्वामीश्री के रोम रोम में सेवा का अनन्य उत्साह । गुण : २

(१) ☐ हरिभक्तों के शौचालयों की सफाई की ।

(२) ☐ हेत तो करे छे केवुं, अनंत जननी जेवुं .....

(३) ☐ निरंतर समाधि का अनुभव ।

(४) ☐ लोगों ने फेंकी हुई गन्दी दातूनों को उठाया ।

४. केवल दस वर्ष की अवधि मे शास्त्रीजी महाराज के हृदय में अमिट स्थान प्राप्त करने वाले नारायणस्वरूपदास । गुण : २

(१) ☐ पंचवर्तमान और गुरुभक्ति । (२) ☐ अक्षरपुरुषोत्तम संस्था के प्रमुखपद पर नियुक्ति ।

(३) ☐ ता. १०/१/१९३९ में भागवती दीक्षा । (४) ☐ पादरा में जन्म ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १५)

१. गुणातीतानंद स्वामी और प्रमुखस्वामी महाराज का साम्य ।

२. भवसागर के खलासी - संत । ३. प्रभावशाली और सफल नेतृत्व - शास्त्रीजी महाराज ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें